हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 292 | देहरादून, शनिवार, 18 मई 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 16

अगले साल से दौड़ने लगेगी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ट्रेन, डेढ़ घंटे में पूरा होगा 125 किमी का सफर 3

चारधाम यात्रा

यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करें अधिकारी : सीएम धामी

रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा की दें अनुमति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 मई : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री बड़कोट जाकर ग्राउंड जीरो से यमुनोत्री धाम की व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत और यात्रा को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं मोर्चा संभाले हुए हैं। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों के सचिवों को निर्देश दिये हैं कि वे लगातार चारधाम यात्रा मार्गों पर अपने विभागों से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को देंखे और विभागों के उच्चाधिकारियों को भी मौके पर भेजें। उन्होंने कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं में सभी अधिकारी चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारी और एसपी का पूरा सहयोग करें। यात्रा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि यात्रियों को जिन स्थानों पर ठहराने की व्यवस्थाएं की गई है, यह सुनिश्चित किया जाए कि उन स्थानों पर सभी मूलभूत सुविधाएं पेयजल, विद्युत, शौचालय, खानपान और बच्चों के लिए दूध और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। उन्होंने निर्देश दिये कि चारधाम पैदल मार्गों पर श्रद्धालुओं को पेयजल एवं अन्य सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। चारधाम यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत आवश्कतानुसार वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की जाए और श्रद्धालुओं को इन मार्गों के बारे में जानकारी भी दी जाए। सचिव परिवहन को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि वाहनों की फिटनेस का विशेष ध्यान रखा जाए। बिना फिटनेस के कोई वाहन यात्रा मार्ग पर चल रहे हैं तो, इसके लिए संबंधित परिवहन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाय। मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा पर भेजा जाए। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन को फिलहाल स्थगित रखा जाय।

■ ठहराव स्थलों पर यात्रियों को मिलें जरूरी सुविधाएं

■ सीएम पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग से केदारनाथ यात्रा के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग सौरभ गहरवार ने अवगत कराया कि श्री केदारनाथ में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। आज अभी तक श्री केदारनाथ में 11 हजार हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, पैदल मार्ग से 08 हजार यात्री दर्शन के लिए गये हैं। ठहराव वाले स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रा मार्ग पर वाहनों के आवागमन की व्यवस्थाओं की कंट्रोल रूम से निगरानी की जा रही है। यातायात प्रबंधन के लिए यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग ने कहा कि उन्होंने रात्रि को रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक यात्रा व्यवस्थाओं को देखा।

जिलाधिकारी उत्तरकाशी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कहा कि गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आज गंगोत्री धाम में 11 हजार और यमुनोत्री धाम में 10 हजार श्रद्धालुओं के दर्शन करने की संभावना है। श्रद्धालुओं के लिए जिन स्थानों पर ठहराव की व्यवस्था की गई वहां पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। एसपी उत्तरकाशी ने कहा कि कुछ लोग फर्जी रजिस्ट्रेशन वाले पाये गये हैं, जिन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना ने कहा कि श्री बद्रीनाथ में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। आगामी सप्ताह में अवकाश के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि के दृष्टिगत भी सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सचिन कुर्वे, गढ़वाल कमिश्नर, विनय शंकर पाण्डेय, सचिव एस.एन. पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, एसएसपी अजय सिंह, वर्चुअल माध्यम से डीजीपी अभिनव कुमार, जिलाधिकारी हरिद्वार धीराज गर्ब्याल उपस्थित थे।

चार धाम यात्रा : 24 घंटे मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध, 94 हज़ार से ज्यादा यात्रियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण : डी जी हेल्थ डॉ विनीता शाह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 18, मई चारधाम यात्रा उत्तराखंड में आने वाले चार धाम तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य का पूरा ख्याल प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग बखूबी रख रहा है। उत्तराखंड स्वास्थ्य महानिदेशक डॉक्टर विनीता शाह ने बताया कि अब तक चार धाम यात्रा करने वाले 94218 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करके स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई हैं। आपको यात्रा मार्ग पर हर जगह मोबाइल मेडिकल यूनिट यात्रियों के लिए हर पल मुस्तैद मिलेगी, जिसमें डॉक्टर नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों का ध्यान 24 घंटे रख रही है ।

चार धाम यात्रा मार्ग पर हेल्थ कैंपों में श्रद्धालुओं का मेडिकल चेकअप : डॉ विनीत शाह ने बताया कि चार धाम यात्रा की मार्ग पर विभिन्न स्थलों पर मोबाइल यूनिट स्थापित की गई है इसके साथ ही बेस कैंपों पर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए हैं जहां पर यात्रियों के विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय सुविधा जिसमें ब्लड प्रेशर ,शुगर लेवल इत्यादि की जांच करने के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नर्स और प्रशिक्षित मेडिकल कर्मियों की टीम 24 घंटे उपलब्ध है।

स्वास्थ्य महानिदेशक शाह ने कहा कि बद्रीनाथ केदारनाथ गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा के दौरान भक्तों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है उन्होंने कहा कि श्रद्धालु यात्रा पर निकलने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श लेकर के ही यात्रा में आना सुनिश्चित करें। शाह ने कहा कि आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए रोजाना व्यायाम और उचित आहार का जरूर ध्यान रखना चाहिए इसके साथ ही जो भी आपकी दवाइयां चल रही हैं उनको लेकर के ही यात्रा करनी चाहिए। डॉ विनीत शाह ने कहा कि ऊंचाई पर होने वाली समस्याओं के लिए लोगों को जो भी दवाएं आवश्यक हैं उनको अपने पास लेकर जरूर चलना चाहिए, उन्होंने कहा कि ऊंचाई पर ठंड और बर्फबारी का ध्यान रखते हुए गर्म कपड़े टोपी दस्ताने और अच्छे जूते और पर्याप्त मात्रा में कपड़ों का बंदोबस्त करके ही यात्रा आरंभ करें। शाह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें यात्रा के दौरान भारी भोजन करने से परहेज करना चाहिए और ऊंचाई और चढ़ाई पर थोड़ी-थोड़ी देर में अपने शरीर को आराम देते हुए आगे बढ़े और थकान से बचें। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉक्टर शाह ने कहा की ऊंचाई वाले क्षेत्र में अगर आपकी सांस फूलती है और थकावट आती है तो तुरंत ही यात्रा मार्ग पर स्थापित किए गए स्वास्थ्य केंद्र में जाकर डॉक्टर से चेकअप कराने के बाद ही आगे की यात्रा के लिए प्रस्थान करना चाहिए।, उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की मेडिकल संबंधी सहायता के लिए परामर्श लेना हो तो मेडिकल हेल्पलाइन के टॉल फ्री नंबर 104,18001801200, 13575 156104 पर बात करना ना भूले यह नंबर 24 घंटे तीर्थ यात्रियों की सहायता के लिए उपलब्ध हैं .

हिन्दी के एग्जाम में बच्चे ने लिखे ऐसे जवाब, चकरा गया टीचर का दिमाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : छोटे बच्चों को परीक्षा के लिए तैयार करना काफी मुश्किल होता है. वो इसलिए क्योंकि कई बार वो घर में तो सारे सवालों के जवाब सही-सही दे देते हैं, पर परीक्षा हॉल में जाकर वो इतने नर्वस हो जाते हैं कि उल्टा-सीधा उत्तर लिख देते हैं. फिर जब टीचर इन आंसर शीट्स को पढ़ता है, तो वो भी सदमे में चला जाता है. ऐसा ही एक टीचर के साथ हुआ, जिसने एक बच्चे के हिंदी एग्जाम के उत्तरों को पढ़ा. उसके गलत जवाबों पर भी उसने 5 अंक दे डाले. आंसर शीट का फोटो वायरल हो रहा है,

इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक पोस्ट किया गया है, जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है. इसका कारण ये है कि इस फोटो में एक बच्चे की उत्तर पुस्तिका नजर आ रही है. ये हिन्दी की परीक्षा की उत्तर पुस्तिका लग रही है, क्योंकि सारे सवाल हिन्दी व्याकरण से जुड़े हैं. उत्तर पढ़ने से पहले जान लीजिए कि सवाल क्या है. पहला सवाल है- "संयुक्त व्यंजन लिखिए?" दूसरा प्रश्न है- "भूतकाल किसे कहते हैं?" तीसरा प्रश्न है- "बहुवचन किसे कहते हैं?" सवाल पढ़कर आपको इनका जवाब भी ध्यान आ गया होगा, पर जब आप इस बच्चे के जवाबों को पढ़ेंगे, तो जितना कुछ आपने सीखा है, वो सब कुछ भूल जाएंगे।

बच्चे ने पहले सवाल का जवाब लिखा- "मटर पनीर और सभी मिक्स सब्जियां संयुक्त व्यंजन होती हैं." उसने दूसरे प्रश्न का जवाब लिखा- "जब भूत हमारा काल बनकर आता है तो उसे भूतकाल कहते हैं." तीसरे सवाल का जवाब सबसे ज्यादा हैरान करने वाला है. सवाल था कि बहुवचन किसे कहते हैं, जिसका जवाब उसने लिखा- "ससुराल के वचन सुनने वाली बहु को बहुवचन कहते हैं." ये सारे जवाब पढ़कर टीचर इतनी हैरान हुई, कि उसने पहले तो सारे उत्तरों पर क्रॉस लगाया. उसके बाद बच्चे को 10 में से 5 अंक भी दिए. 5 नंबर देने का कारण उन्होंने लिखा- "ये 5 नंबर तुम्हारे दिमाग के लिए बेटा!"

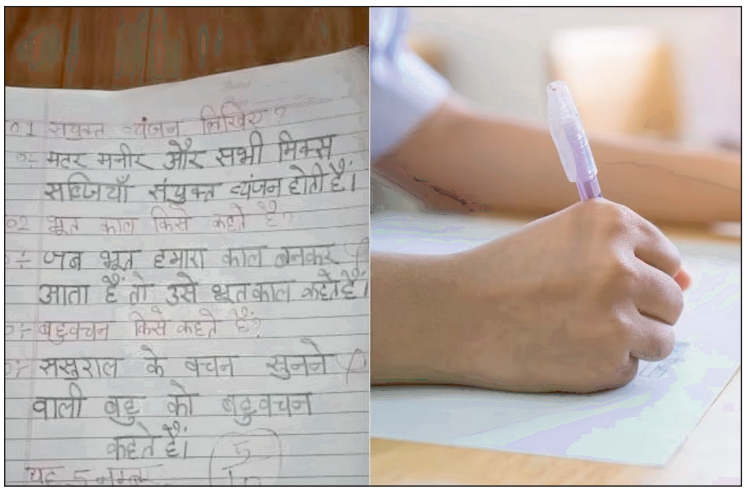

यूपी में यहां रेल यात्री टिकट तो खरीदते हैं पर ट्रेन में सफर नहीं करते

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : ट्रेन से यात्रा के लिए रेल टिकट अति आवश्यक होता है. बिना टिकट लिए आप ट्रेन से यात्रा नहीं कर सकते. क्या हो जब लोग रेल टिकट खरीदे लेकिन यात्रा न करें. जी हां आप सही सुन रहे हैं यूपी का एक ऐसा रेलवे स्टेशन है जहां लोग टिकट खरीदते हैं, लेकिन कभी यात्रा नहीं करते. इसके पीछे की कहानी जानकर हर किसी के होश उड़ जाएंगे।

दरअसल, यूपी के प्रयागराज जिले में दयालपुर रेलवे स्टेशन है. रेलवे स्टेशन के आसपास के गांव वाले यहां से रेल टिकट तो खरीदते हैं, लेकिन कभी ट्रेन से यात्रा नहीं करते. इसके पीछे की वजह भी हैरान करने वाली है. बताया जाता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने 1954 में तत्कालीन रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री से दयालपुर में रेलवे स्टेशन बनवाने का आग्रह किया था. पं. नेहरू के आग्रह पर दयालपुर में रेलवे स्टेशन बन गया. जैसे-जैसे समय बीतता गया वैसे-वैसे दयालपुर रेलवे स्टेशन के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा. आखिरकार 2006 में दयालपुर रेलवे स्टेशन को बंद कर दिया गया. स्टेशन बंद करने के पीछे की वजह बताई गई इस क्षेत्र से टिकट की कम बिक्री होना.

इसके बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रयास से साल 2020 में इस स्टेशन को दोबारा शुरू कर दिया गया. अब क्षेत्रवासियों को डर है कि कहीं ये यह स्टेशन दोबारा न बंद हो जाए इसके लिए गांव के लोग अपनी क्षमतानुसार टिकट खरीद रहे हैं. टिकट खरीदने के मानक को पूरा करने के लिए स्थानीय लोग अपनी तरफ से टिकट खरीदते हैं. हालांकि वह कभी यात्रा नहीं करते. बता दें कि स्थानीय लोग हर महीने करीब 700 रुपये का टिकट खरीद कर रहे हैं, ताकि दोबारा स्टेशन बंद न हो सके. स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी दयालपुर रेलवे स्टेशन पर सिर्फ एक ट्रेन रुकती है. लंबे समय से लोग और ट्रेनों के ठहराव की मांग करते रहे हैं.

बिस्तर से उठते ही चकराने लगता है सिर तो समझें घेर चुकी है ये भयंकर बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

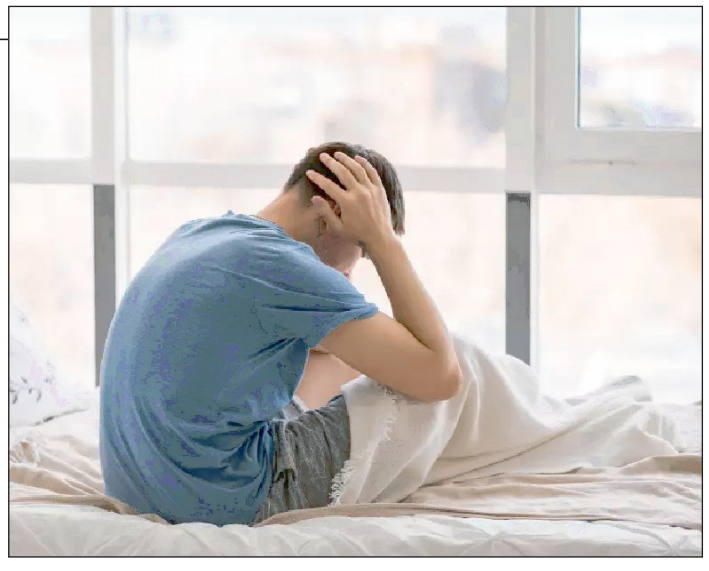

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : चक्कर आना या सिर घूमना एक आम समस्या दिखाई देती है। इसलिए लोग इसे नजरअंदाज करते रहते हैं और खतरनाक बना देते हैं। अगर सुबह के समय या बिस्तर से उठते हुए आपका भी सिर घूमने लगता है, तो यह किसी भयंकर बीमारी का लक्षण हो सकता है। चक्कर क्यों आते हैं? पहले यह समझ लें कि चक्कर आना कोई बीमारी नहीं है। बल्कि यह दूसरी बीमारियों का संकेत होता है। चक्कर आने के कई कारण हो सकते हैं। खासतौर से आंख-कान जैसे अंगों में गड़बड़ी आने पर सिर चकराने लगता है।

अचानक बीपी गिरनाहेल्थलाइन के मुताबिक, ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट आने के कारण भी चक्कर आ सकते हैं। बीपी कम होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं और आपको इसे कंट्रोल में रखना चाहिए। क्योंकि हाई बीपी भी खतरनाक समस्या है।दिल की मांसपेशी कमजोर होनादिल में गड़बड़ी होने के कारण भी बिस्तर से उठते समय सिर चकराने लगता है। क्योंकि, जब दिल की मांसपेशी सख्त और कमजोर हो जाती हैं तो वह कम खून फेंकने लगता है। जिसके कारण चक्कर आ सकते हैं।पानी की कमी से चक्कर आनाचक्कर आने का सबसे आम कारण डिहाइड्रेशन है। अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो शरीर में पानी की कमी होना स्वाभाविक है। वहीं, किसी चोट के कारण खून निकलने जैसी समस्या भी चक्कर आने का कारण बन सकती है।हार्ट अटैकअगर सुबह के समय चक्कर आते हैं, तो यह हार्ट अटैक आने का संकेत भी हो सकता है। क्योंकि, दिल में गड़बड़ी आने के कारण ब्लड पंप नहीं हो पाता है, जिसके कारण चक्कर आने लगते हैं। वहीं, हार्ट अटैक आने के दौरान भी चक्कर आते हैं।चक्कर आने की अन्य वजहेंहीट एग्जॉक्शनखून की कमीअसामान्य धड़कनमल्टीपल स्क्लेरोसिस इंफेक्शन एंग्जायटी डिसऑर्डरबेनाइन पोजीशनल वर्टिगोकान में पानी भरना, आदि

ठंडे पानी से नहाने से होते है गजब के फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। बढ़ते तापमान की वजह से लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। ऐसे में अब मौसम में बदलाव के साथ ही लोगों की लाइफस्टाइल में भी बदलाव होने लगे हैं। गर्मियों में चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी से बचने के लिए लोग खाने से लेकर पहनावे तक में बदलाव करते हैं। इसके अलावा गर्मियों में ठंडे पानी से नहाना भी काफी अच्छा होता है। इससे न सिर्फ आपको गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि सेहत को भी फायदा मिलता है।सुबह के समय ठंडे पानी से नहाने से शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के विभिन्न स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। अगर आप सिर्फ गर्मी से बचने के लिए ठंडे पानी से नहाते हैं, तो आज हम आपको बताएंगे ठंडे पानी से नहाने के कुछ हैरान करने वाले फायदे-

मांसपेशियों की रिकवरी करे

ठंडे पानी में नहाने से शरीर की सूजन और मांसपेशियों का दर्द कम होता है। यही वजह है कि कोल्ड वॉटर बाथ एथलीट्स के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

बेहतर ब्लड सर्कुलेशनठंडे पानी से नहाने से ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाते हैं, जो खून को महत्वपूर्ण अंगों की ओर धकेल कर ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।एनर्जी बढ़ती हैठंडा पानी शरीर के सिंपथेटिक नर्वस सिस्टम को स्टीमूलेट करता है, जिससे हार्ट रेट, ब्लड प्रेशर और ऑक्सीजन इनटेक बढ़ जाता है और इससे हमें ज्यादा एनर्जी मिलती है।बेहतर फोकस और मेंटल हेल्थअगर आप रोजाना ठंडे पानी से नहाते हैं, तो इससे आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। ठंडे पानी की वजह से एड्रेनालाईन और अन्य स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे फोकस में सुधार होता है और मेंटल हेल्थ बेहतर होती है।इम्युनिटी बढ़ाएकोल्ड वॉटर बाथ आपकी इम्युनिटी बेहतर करने में भी मदद करता है। दरअसल, ठंडे पानी के संपर्क में आने से व्हाइट ब्लड सेल्स का प्रोडक्शन स्टीमूलेट हो सकता है और नॉरपेनेफ्रिन के प्रसार का स्तर बढ़ सकता है।

उत्तराखंड : अगले साल से दौड़ने लगेगी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ट्रेन, डेढ़ घंटे में पूरा होगा 125 किमी का सफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 18 मई : Rishikesh-Karnprayag Rail Line का काम 70 फीसदी पूरा गया है, सार्वजनिक उपक्रम की रिपोर्ट के अनुसार 125 किलोमीटर की दूरी ट्रेन से डेढ़ से दो घंटे में पूर्ण होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना में शामिल ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन प्रोजेक्ट वर्ष 2025 तक पूरा करने का दावा रेल विकास निगम ने किया है।

125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन पर लगातार कार्य तेजी से चल रहा है और अब तक 104 किलोमीटर लंबी सुरंग में से 70 किलोमीटर की सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। रेलवे ने दावा किया है कि सड़क परिवहन की अपेक्षा ट्रेन से ऋषिकेश-कर्णप्रयाग का सफर आधे समय में पूरा होगा और इससे हर साल 20 करोड़ रुपये ईंधन की बचत होगी। साथ ही यह पहाड़ों के पर्यावरण को बचाने में मददगार साबित होगी, जिससे उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता बनी रहेगी।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन को 99 साल के लिए डिजाइन तैयार किया गया है। सामान्य दिनों में ट्रेन दो फेरे लगाएंगी जबकि यात्रा सीजन के दौरान यात्रियों की सुगमता के लिए ट्रेन चार फेरे लगाएगी। वर्तमान में सड़क परिवहन (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-58) से दोनों शहरों की दूरी नापने में 4.45 से पांच घंटे लगते हैं, लेकिन 125 किलोमीटर की दूरी ट्रेन से डेढ़ से दो घंटे में पूरी होगी।

बेरोजगारी से जूझते हुए प्रदेश में स्थानीय युवाओं के लिए रेलवे स्थाई रोजगार भी देगी। रिपोर्ट के अनुसार रेल लाइन की मरम्मत व रखरखाव के लिए 450 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा। वर्तमान में रेल लाइन निर्माण में 6400 कामगार लगे हुए हैं। उत्तराखंड के दोनों शहरों के बीच पर्यटन, बाजार, ट्रांसपोटेशन 1800 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना होगी।

देहरादून : ऋषिकेश शौचालय में डीएम सोनिका ने मारा छापा

जब यात्री बनकर शौचालय पहुँची डीएम सोनिका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 मई : देहरादून की जिलाधिकारी सोनिका ने ऋषिकेश में बनाए गए चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप पहुँचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से बातें की उनकी समस्याएं जानी और यात्रियों को पंजीकरण काउंटर खुलने तक प्रशासन द्वारा की गई ठहरने की व्यवस्था हेतु बनाए गए स्थल पर जाने को अनुरोध किया। उन्होंने निर्देश दिए कि जो यात्री पहले ट्रांजिट कैंप पहुंचे हैं, रजिस्ट्रेशन काउंटर खुलने पर उनका पहले रजिस्ट्रेशन किया जाए।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों हेतु समुचित मूलभूत सुविधाएं यथा, पेयजल, भोजन, शौचालय, आदि व्यवस्थाओं में कोई कमी न रहे। इसके अतिरिक्त ट्रांजिट कैंप में नि शुल्क सहित सशुल्क भोजन व्यवस्था भी स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से की गई है। जिला प्रशासन द्वारा यात्रियों के ठहरने हेतु निशुल्क व्यवस्था बनाई गई है।

जिलाधिकारी ने ट्रांजिट कैंप में डोरमेट्री का निरीक्षण किया इस दौरान एक महिला यात्री की तबीयत खराब होने पर जाना हाल चिकित्सकों को डोरमेट्री में बुलाकर महिला का तत्काल उपचार के दिए निर्देश। चिकित्सकों ने महिला की स्वास्थ्य जांच की।जिलाधिकारी ने ट्रांजिट कैंप में सफाई व्यवस्था देखी नगर निगम के अधिकारियों को सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शौचालयों में निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क लेने की शिकायत पर यात्री बनकर शौचालय पंहूची, जिलाधिकारी सुलभ शौचालय, ऑपरेटिंग की शिकायत पर मारा छापा।इस दौरान ओवर रेटिंग नहीं पाई गई ।

उन्होंने उपस्थित कार्मिकों को साफ सफाई व्यवस्था एवं यात्रियों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार करने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी गई कि ओवररेटिंग पाए जाने पर कठोर कार्रवाई अमल पर लाई जाएगी।नेपाल से यात्रियों के धर्मशाला में रुकने की व्यवस्था करने के निर्देश अपर आयुक्त गढ़वाल मंडल को दिए।ऋषिकेश में निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त गढ़वाल नरेंद्र सिंह क्विराल, नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश शैलेंद्र सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश कुमकुम जोशी, सहायक निदेशक सूचना बीसी नेगी सहित पुलिस के अधिकारी एवं अन्य अधिकारी/कार्मिक उपस्थित रहे।

बागेश्वर : पूर्व सैनिक की बेटी नेहा लोहुमी बनी भारतीय सेना में नर्सिंग लेफ्टिनेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 18 मई : नेहा ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में रहकर ही की तथा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट विवेकानंद इंटर कॉलेज मंडलसेरा से उत्तीर्ण किया। इसके बाद उन्होंने बरेली से जेएनएम व पोस्ट नर्सिंग बीएससी किया। एक तरफ जहाँ शिक्षा-स्वास्थ्य को लेकर उत्तराखंड के लोग शहरों में पलायन कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ कुछ होनहार छात्र-छात्राएं पहाड़ों में ही रहकर विषम परिस्थियियों में ही सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

ऐसा ही कुछ किया है जनपद बागेश्वर के विकास खंड के जौलकांडे गांव की नैना लोहुमी ने, इन्होने मिलिट्री नर्सिंग सर्विसेज की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और अब उनकी तैनाती भारतीय सेना में नर्सिंग लेफ्टिनेंट पद पर होगी। उनकी इस सफलता से पूरे परिवार और क्षेत्र में ख़ुशी का माहौल है।नेहा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव में रहकर ही की, फिर उन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट विवेकानंद इंटर कॉलेज मंडलसेरा से किया। इसके बाद उन्होंने बरेली से जेएनएम और पोस्ट नर्सिंग बीएससी की पढ़ाई की है। पढाई पूरी होने के पश्चात उन्होंने कुछ माह तक परीक्षा की तैयारी की और फिर उन्हें मिलिट्री नर्सिंग सर्विसेज की परीक्षा में सफलता मिली। उनके पिता नवीन लोहुमी पूर्व सैनिक हैं तथा वर्तमान में कूर्मांचल बैंक में अभिकर्ता हैं तथा माता गृहिणी है। उनकी इस उपलब्धि पर सभी ने उन्हें बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

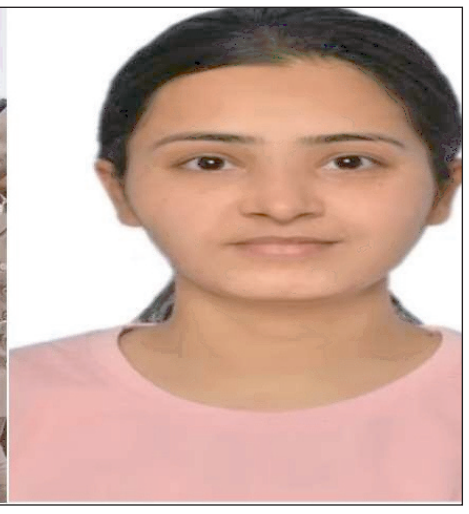

संक्षिप्त खबरें

पदमश्री माधुरी ने राज्यपाल को भेंट की 'मांगल' पुस्तक

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शुक्रवार को राजभवन में पद्मश्री डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने शिष्टाचार भेंट की। डॉ. बड़थ्वाल ने राज्यपाल को स्वलिखित पुस्तक गढ़वाल के संस्कार लोकगीत ''मांगल भेंट की। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. बड़थ्वाल महिला सशक्तिकरण की प्रेरणास्त्रोत हैं। मांगल पुस्तक के लिए सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक संगीत के छात्रों के लिए बेहद उपयोगी रहेगी। उत्तराखंड का लोक संगीत और संस्कृति राज्य की पहचान है। इस अमूल्य धरोहर के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास होने चाहिएं। डॉ. बड़थ्वाल की पुस्तक से निसंदेह स्थानीय लोकगीत की जानकारी आमजन तक पहुंचेगी।

श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति ने किया परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

देहरादून। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्विविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने शुक्रवार को दून के कई केंद्रों का औचक निरीक्षण कर परीक्षा की व्यवस्थाएं देखी। हालांकि सभी जगह व्यवस्थाएं चाक चौबंद मिली। छह मई से गढ़वाल के सभी जिलों में श्रीदेव सुमन विवि की परीक्षाएं चल रही हैं। शुक्रवार को परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं जांचने के लिए कुलपति प्रो. एनके जोशी ने सनराईज एकेडमी रायपुर रोड व अन्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं उत्तर पुस्तिकाओं की भी जांच की। परीक्षा केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद पाई गयी। कुलपति प्रो. जोशी ने सभी महाविद्यालयों व संस्थानों को निर्देशित किया कि सीसीटीवी कैमरों से भी छात्रों की लगातार निगरानी करते रहें। उन्होने बताया कि नकल विहीन परीक्षा करवाने और समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करना विवि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। जिस केंद्र में नकल पायी जाएगी उसे तत्काल निरस्त किया जाएगा।

इन दो अंगों से शरीर में घुसता है टीबी का बैक्टीरिया, फेफड़ा हो या दिमाग, बना देता है कंकाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : ट्यूबरक्युलोसिस यानी टीबी की बीमारी के बारे में तो आपने सुना ही होगा. यह रोग खतरनाक तो है ही जानलेवा भी है. अगर एक बार यह किसी को हो जाए तो इसकी अधिकतम डेढ़-दो साल तक लगातार दवा खानी पड़ सकती है. साथ ही परिवार के अन्य लोगों को भी टीबी की चपेट में आने का खतरा रहता है। टीबी शरीर के किसी भी अंग में हो सकती है. यह आपके फेफड़ों, दिमाग, लिवर, किडनी, ब्लैडर आदि किसी भी हिस्से को अपना शिकार बना सकती है और अगर सही इलाज न मिला तो उस अंग को खत्म करके ही दम लेती है. लेकिन क्या आपको मालूम है कि ये होती क्यों है और कैसे होती है? इस बीमारी का बैक्टीरिया आखिर कैसे हमारे शरीर में घुसता है?डॉक्टर कहते हैं कि अगर आपको यह पता चल जाए कि टीबी का बैक्टीरिया कैसे आप पर हमला करता है और आपको बीमार करता है, तो आप सावधानी बरत के इस रोग से बच सकते हैं।

शरीर के इन 2 अंगों से घुसता है बैक्टीरिया..

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज नई दिल्ली में डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी में प्रोफेसर डॉ. उर्वशी बी सिंह कहती हैं कि टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्यूलोसिस नाम के बैक्टीरिया की वजह से होती है. सबसे बड़ी बात जो जानने ही है, वह ये है कि यह बैक्टीरिया आपके शरीर में हाथ, पैर, आंख या कोई चीज छूने या कुछ खाने से प्रवेश नहीं करता. बल्कि चेहरे के दो अंगों नाक और मुंह से घुसता है।

जब भी आप हवा में सांस लेते हैं और अगर वहां टीबी का बैक्टीरिया मौजूद है तो वह आपकी नाक या मुंह के माध्यम से आपके अंदर चला जाएगा. यह जीवाणु हवा में तैरता रहता है और सांस लेने पर फेफड़ों में चला जाता है. अगर बैक्टीरिया बहुत स्ट्रांग है और आपके शरीर की इम्यूनिटी बहुत कमजोर है तो यह शरीर के अन्य अंगों में भी पहुंच जाता है।

और हो जाती है एक्सट्रा पल्मोनरी टीबी..

एम्स के ही पल्मोनरी एंड स्लीप मेडिसिन के एचओडी डॉ. अनंत मोहन कहते हैं कि जब टीबी का बैक्टीरिया फेफड़ों के बजाय अन्य अंगों की तरफ मुड़ जाता है, तब एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी हो जाती है. यानि उस स्थिति में ब्रेन, लिवर, किडनी, ब्लैडर, हड्डियों में, पेट में, त्वचा, बच्चेदानी में कहीं भी टीबी का बैक्टीरिया पहुंचकर रोग बना देता है.

UKSSSC LT Exam: 30 जून नहीं, अब इस दिन होगी उत्तराखंड एलटी की परीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 मई : सहायक अध्यापक की परीक्षा पहले 30 जून को निर्धारित थी लेकिन आयोग ने इसमें बदलाव कर दिया है अब परीक्षा 18 अगस्त 2024 को आयोजित होगीसरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है शिक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी चाह रहे थे कि उनके एग्जाम थोड़ा और आगे चले जाए ताकि उन्हें तैयारी करने का और अधिक समय मिल जाएगा।

तो आयोग ने बीते दिन यह फैसला लिया है कि 30 जून को होने वाली एलटी (सहायक अध्यापक) भर्ती परीक्षा अब 18 अगस्त 2024 को कराई जाएगी। सिलेबस ज्यादा होने के चलते कुछ अभ्यर्थी मांग कर रहे थे कि एग्जाम की डेट बदलनी चाहिए। अब अभ्यर्थियों को पूरे दो महीने से अधिक का और समय दे दिया गया है। अब आप अपनी तैयारी को और अच्छे तरीके से करके एग्जाम को क्वालीफाई कर सकते हैं।आयोग ने दो अन्य परीक्षाओं की प्रस्तावित तिथियों को अब निर्धारित कर दिया है जिसमें आबकारी सिपाही/परिवहन आरक्षी/उप आबकारी निरीक्षक/ हॉस्टल मेनेजर/ ग्राह्माता/ हाउस कीपर के पदों की परीक्षा 30 जून 2024 को होगी और सहायक भंडारी की परीक्षा 31 जुलाई 2024 को आयोजित होगी।

अजब-गजब परम्परा : बेटी के ऊपर थूक कर आशीर्वाद देता है पिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : शादी से जुड़े हर क्षेत्र की अपनी अलग परंपरा और रीती-रिवाज होते हैं जिनका पालन किया जाता हैं। हांलाकि समय के साथ पुराने रिवाजों में बदलाव देखने को मिला हैं। लेकिन आज भी कई आदिवासी प्रजातियां हैं जो अपने हजारों साल पुराने रिवाजों का पालन कर रही हैं। शादी में जहां एक पिता अपनी बेटी को सिर पर हाथ रख आशीर्वाद देता है, वहीँ एक ऐसी आदिवासी प्रजाति है जहां पिता अपनी बेटी पर थूक कर आशीर्वाद देता है। हम जिस जनजाति के बारे में बात कर रहे हैं वो केन्या और तंजानिया में रहती है जिसका नाम मसाई है। इनकी परंपराओं के बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। इनकी मान्यता है कि शादी के बाद लड़की पीछे मुड़कर नहीं देखती है, नहीं तो कहा जाता है कि दुल्हन पत्थर में बदल जाती है।

जब इस जनजाति में लड़कियों की शादी होती है, तो विदाई के समय पिता दुल्हन के सिर और ब्रेस्ट पर थूकता है। बताया जाता है कि पिता इस तरह अपनी बेटी को आशीर्वाद देता है। यहां पर सदियों से यह परंपरा चलती आ रही है। इस परंपरा को पिता के प्यार जताने का तरीका बताया जाता है। पिता के थूकने को बेटी भी आशीर्वाद समझती है। इस जनजाति में लड़की वाले लड़के के परिवार वालों को दहेज देते हैं। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि शादी के बाद दुल्हन का सिर मुंडवाया जाता है।

इसके बाद दुल्हन अपने पिता के सामने घुटने टेककर परिवार वालों से आशीर्वाद लेती है। इस दौरान दुल्हन के सिर और ब्रेस्ट पर बुजुर्ग थूकते हैं। बताया जाता है कि यह दुल्हन के लिए शुभ होता है। इसके अलावा नवजात बच्चों के साथ भी इस परंपरा को किया जाता है। मसाई समुदाय के लोगों द्वारा कहा जाता है कि थूकना सम्मान की बात है। इस जनजाति में जब भी कोई मेहमान आता है, तो हथेली पर थूक कर स्वागत किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

डीएम और एसएसपी से की लापता इंजीनियर की तलाश करने की मांग

देहरादून। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ से जुड़े इंजीनियरों ने शुक्रवार को डीएम और एसएसपी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने छह दिनों से लापता चल रहे एनएच खंड देहरादून के अपर सहायक अभियंता इं. अमित चौहान की तलाश करने की मांग की है। ज्ञापन में जिला सचिव इंजीनियर आशीष यादव ने बताया कि इंजीनियर अमित चौहान को 12 मई को ठेकेदार उनके घर पर लेने आया था, लेकिन इसके बाद इंजीनियर वापस नहीं लौटे, उनका मोबाइल फोन भी स्वीच ऑफ चल रहा है। उनके पिता ने उत्तरकाशी कोतवाली में लापता होने की तहरीर दी है, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चल पाया, जिससे उनके परिवारजन परेशान हैं। कहा कि ठेकेदार की ओर से इंजीनियर को अगवा करने की यह पहली घटना है, जिससे पूरे उत्तराखंड के इंजीनियरों में आक्रोश है। उन्होंने शीघ्र ही इंजीनियर का पता लगाने के साथ ही ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में प्रांतीय महासचिव मुकेश रतूड़ी, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र श्रीकोटी, सीडी सैनी, अनिल पंवार, जगमोहन सिंह रावत, शांतुन शर्मा, पूजा श्रेष्ठ, वाईपी देवरानी, प्रीतम तोमपर, हरिदर्शन रावत, स्वतंत्र कुमार, दिनेश सिंधवाल, उषा भंडारी, अंजना डिमरी, पीवी सिंह, होशियार सिंह गुसाईं, राहुल सैनी, अमित खंडूरी आदि मौजूद रहे।

मसूरी के वार्ड सात की मतदाता सूची में भी मिली बड़े पैमाने पर गड़बड़ी

देहरादून। नगर पालिका मसूरी की मतदाता सूची पर शुक्रवार को तीसरे दिन भी एसडीएम ने सुनवाई की। इस दौरान अकेले वार्ड सात में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पाई गईं। यश गुप्ता की ओर से 533 नामों पर आपत्ति जताई गई है, इनमें से 58 लोग ही साक्ष्यों के साथ सुनवाई में पहुंचे। इनमें भी 13 लोग ऐसे थे, जिनके नाम आसपास की ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची में भी दर्ज हैं। एसडीएम डा. दीपक सैनी ने आपत्तियों की सुनवाई के बाद पत्रकारों को बताया कि सुनवाई में जिन लोगों के नाम को लेकर आपत्ति लगाई गई थी, इनमें 45 लोगों की ओर से पर्याप्त साक्ष्य देने पर आपत्ति खारिज कर दी गई। जबकि इस वार्ड में अभी 13 लोगों के नाम आसपास के ग्राम पंचायत की सूची में दर्ज मिले हैं। इन्हें दस दिन के भीतर नगर पालिका या फिर ग्राम पंचायत किसी एक मतदाता सूची से नाम कटवाने का मौका दिया गया। वहीं, 475 लोगों की ओर से सुनवाई में अपना पक्ष नहीं रखा गया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर मसूरी में मतदाता सूची पर दर्ज आपत्तियों पर सुनवाई की जा रही है। इनमें अकेले वार्ड सात में 533 लोगों के नामों को लेकर स्थानीय निवासी यश गुप्ता ने आपत्ति दर्ज कराई हैं। एसडीएम ने कहा कि जिन लोगों के नाम पर आपत्ति है और वह शुक्रवार को सुनवाई में अपना पक्ष नहीं रख पाए हैं तो उन्हें अगले तीन दिन में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। सुनवाई के बाद नगर पालिका की मतदाता सूची तैयार करने के साथ ही इसमें कितने गलत और कितने सही नाम दर्ज थे, उन पर आगे की कार्रवाई को लेकर उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। सुनवाई में नगर पालिका अधिशासी अधिकारी राजेश नैथानी, टीएस विनय प्रताप सिंह सहित बीएलओ व पालिका कर्मी मौजूद रहे।

चारों धामों की पॉवर सप्लाई को ऊर्जा निगम ने दौड़ाई टीमें

देहरादून। चारों धामों में पॉवर सप्लाई सिस्टम को पुख्ता बनाए रखने को शुक्रवार को ऊर्जा निगम मैनेजमेंट हरकत में नजर आया। गुरुवार को बदरीनाथ धाम में छोटे से फॉल्ट के कारण दो घंटे की बाधित रही सप्लाई के कारण शुक्रवार दिन भर यूपीसीएल मुख्यालय में खलबली रही। मुख्यालय से एक टीम बदरीनाथ धाम रवाना की गई। मुख्यालय में एक कंट्रोल रूम बनाया गया। शनिवार को एमडी खुद बदरीनाथ, केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो रहे हैं। यूपीसीएल पर चारों धामों में 24 घंटे बिजली सप्लाई का दबाव है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो टूक सख्त निर्देश जारी कर चुके हैं कि किसी भी तरह की बिजली कटौती को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धामों में एक एक मिनट के बिजली सप्लाई बाधित होने का ब्यौरा सीधे उच्च स्तर पर देखा जा रहा है। गुरुवार को बदरीनाथ धाम में पत्थर गिरने से कंडक्टर को पहुंचे नुकसान से सप्लाई दो घंटे बाधित रही। इस पर ऊर्जा विभाग में नीचे से लेकर ऊपर मैनेजमेंट तक का जवाब तलब किया गया। यूपीसीएल को धामों में पॉवर सप्लाई का बैकअप सिस्टम भी तैयार रखने की सख्त हिदायत दी गई। इसके बाद शुक्रवार को एमडी यूपीसीएल के निर्देश पर एक तकनीकी दल का गठन किया गया। इसमें एसई टिहरी शैलेंद्र सिंह, एक्सईएन मोहन मित्तल, एई शुभम कंडवाल को शामिल किया गया। दल को शुक्रवार को ही रवाना कर दिया गया। बदरीनाथ धाम में ही एसई समेत निदेशक ऑपरेशन मदन राम आर्य को अलग से पहले से ही तैनात किया गया है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के लिए एसई विकासनगर युद्धवीर सिंह तोमर को पूरे क्षेत्र में कैंप करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत का ये शहर बना था 1 दिन के लिए देश की राजधानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : भारत की राजधानी दिल्ली है, पर क्या आप जानते हैं कि देश में एक ऐसा भी शहर है, जो सिर्फ एक दिन के लिए देश की राजधानी बन गया था. भारत जैसे महान देश की राजधानी बनना किसी भी शहर के लिए बात होगी. उस शहर की रूपरेखा, रंग-ढंग सब कुछ बदल जाएगा. दिल्ली को ही ले लीजिए, इस शहर को कितनी खूबसूरती और समझदारी से डेवलप किया गया है. पर उस शहर का क्या हुआ जो एक दिन के लिए देश की राजधानी बना था, क्या आप इस शहर का नाम जानते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर अक्सर आम लोग अपनी जिज्ञासाओं को दूर करने के लिए सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उसके जवाब देते हैं. हाल ही में किसी ने सोशल मीडिया पर पूछा- "कौन सा शहर है जो 1 दिन के लिए भारत की राजधानी बना

था?" शायद बहुत लोगों को ये सवाल अटपटा लग रहा होगा. बहुत लोगों को पता होगा, मगर शहर के बारे में नहीं जानकारी होगी. आज हम आपको इस शहर के बारे में बताने जा रहे हैं. शायद ही आपको इसके बारे में जानकारी होगी।

सबसे पहले जानिए कि लोगों ने इसका क्या उत्तर दिया. केशिरेश मिश्रा नाम के शख्स ने कहा- "1858 में, इलाहाबाद (प्रयागराज) को एक दिन की अवधि के लिए भारत की राजधानी बनाया गया था क्योंकि ईस्ट इंडिया कंपनी ने शहर में ब्रिटिश राजशाही को राष्ट्र का प्रशासन सौंप दिया था. उस समय इलाहाबाद उत्तर-पश्चिमी प्रांतों की राजधानी भी था. रविकांत आर्य नाम के शख्स ने कहा- "इलाहाबाद 1858 में एक दिन के लिए भारत की राजधानी बना था." इस तरह बहुत लोगों ने अन्य तरह के जवाब दिए हैं। चलिए अब आपको विश्वसनीय सूत्रों से बताते हैं कि इस सवाल का सही जवाब क्या है. मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार 1 नवंबर 1858 को प्रयागराज, यानी इलाहाबाद को भारत की राजधानी बनने का दर्जा प्राप्त हुआ था. पर ये दर्जा शहर को सिर्फ एक दिन के लिए मिला था. इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हेरांब चतुर्वेदी ने 2022 की रिपोर्ट में बताया था कि यहां पर ईस्ट इंडिया कंपनी ने, देश का कार्यभार ब्रिटिश सरकार को सौंप दिया था. उस दौरान दिल्ली, मेरठ और आगरा, 1857 में भड़की विद्रोह की पहली चिंगारी से जल रहा था.

तब इलाहाबाद पूरी तरह से ब्रिटिश शासन के अंतर्गत था. यही कारण है कि रानी विक्टोरिया के मेनिफेस्टो को पढ़ने के लिए लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद के मिंटो पार्क को चुना, जहां शक्तियों का ट्रांसफर हुआ और उसी वक्त ये शहर देश की राजधानी बना था. इलाहाबाद अपने में बेहद अनोखा शहर है और इतिहास से जुड़ी कई प्रमुख घटनाएं यहां घट चुकी हैं. इलाहाबाद में ही कुंभ लगता है जिसकी हिन्दी धर्म में बहुत मान्यता है. ये शहर अपने में ही बेहद अनोखा है.

पूरे शरीर को ले डूबेगा खाने के बाद मीठा खाने का शौक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : हेल्दी और बैलेंस डाइट बहुत जरूरी है। यह शरीर के लिए जरूरी न्यूट्रिशन देती है। बीमारियों से बचाव या इलाज के लिए स्वस्थ आहार सबसे पहला कदम होता है। एक बढ़िया डाइट में साबुत अनाज, फलियां, फल-सब्जी, लीन प्रोटीन आदि का संतुलित मिश्रण होता है।अगर बॉडी को फिट रखने के लिए आपको खाना खाने के बाद भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

क्योंकि, कुछ गलतियां करने से आपको नुकसान पहुंच सकता है। मेडिकल न्यूट्रीशनिस्ट विपिन राणा ने 3 काम बताए हैं, जो भोजन लेने के बाद कभी नहीं करने चाहिए। बहुत से लोगों को खाना खाने के बाद मीठा खाने की आदत होती है। इसके बिना उनका भोजन पूरा ही नहीं होता और पेट खाली-खाली लगता है। यह काम करने से कफ बढ़ने लगता है। इसके कारण सांस की तकलीफ, खांसी, भारीपन महसूस हो सकता है।

मीठे की तरह लोगों को खासकर डिनर के बाद आइसक्रीम का शौक होता है। मगर डिनर या किसी भी मील के तुरंत बाद आइसक्रीम खाने से नुकसान हो सकता है। आयुर्वेद में गर्म भोजन के बाद ठंडे पदार्थ खाना सख्त मना किया गया है, इसे विरुद्ध आहार कहते हैं। फिट रहने के लिए जिम और एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। यह दिल की बीमारी से बचाने के साथ वजन कंट्रोल रखती है। मगर खाना खाने के तुरंत बाद कभी भी जिम या हैवी एक्सरसाइज ना करें। इससे उल्टी, पेट दर्द, अपच हो सकती है। एक्सपर्ट ने बताया कि भोजन के बाद शतपावली की जा सकती है। इसमें आपको आराम से कम से कम 100 कदम चलने होते हैं। यह खाना पचाने और ब्लड सर्कुलेशन सही रखने में मदद करेगा।

उत्तराखंड : दून समेत सात जिलों में हो सकती है बारिश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 मई : मौसम विभाग की मानें तो 18 मई से लेकर आगामी 20 मई तक प्रदेश के सात जिलों में हल्की बारिश और गर्जन के साथ बिजली चमकने की सम्भावना है। इस दौरान यात्रियों को पहाड़ों में कम से कम सफर करने की सलाह दी है।उत्तराखंड में अभी मौसम शुष्क है और भीषण गर्मी पड़ रही है, विशेषकर मैदानी क्षेत्रों में पारा तेजी से चढ़ रहा है। दून में अधिकतम तापमान सामान्य चार डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया है। गुरुवार को देहरादून व हल्द्वानी में अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही यह सीजन का सबसे गर्म दिन भी रहा। हालांकि पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं आंशिक बादल मंडराते रहे।

प्रदेश के पहाड़ी जिलों में एक बार फिर मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने देहरादून समेत उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, चंपावत और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने के संभावना जताई है। जारी पूर्वानुमान के अनुसार इन जनपदों में बिजली भी चमक सकती है। हालांकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग की मानें तो मौसम में ये बदलाव आगामी 20 मई तक देखा जा सकता है।

देहरादून का अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं उधम सिंह नगर का अधिकतम तापमान 39.0 दीगर और न्यूनतम तापमान 19.0 डिग्री सेल्सियस था. जबकि मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस रहा। नई टिहरी कार्यक्रम तापमान 28.2 और न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पॉजिटिव खबरें दिल दिमाग को स्वस्थ बनाती हैं, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : सूचनाओं के इस दौर में निगेटिव खबरें लगातार आ रही हैं। निगेटिव सूचना क्रांति से थकान और तनाव बढ़ रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें खुशी और भावनात्मक लचीलापन बढ़ाती हैं। अलग-अलग विश्वविद्यालयों की रिसर्च के मुताबिक, लोग अच्छी खबरों पर बात करना और इन्हें साझा करना पसंद करते हैं। द हैप्पीअर किताब के लेखक और द हैप्पीनेस स्टडीज एकेडमी के फाउंडर डॉ. कहते हैं कि सकारात्मक खबरें पढ़कर लगता है कि दुनिया अच्छी जगह है। निगेटिव माहौल का सामना करने में मदद मिलती है। शॉर्ट टर्म में मूड अच्छा होता है और लॉन्ग टर्म में सुखद नजरिया मिलता है। हार्वर्ड से लेकर ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी

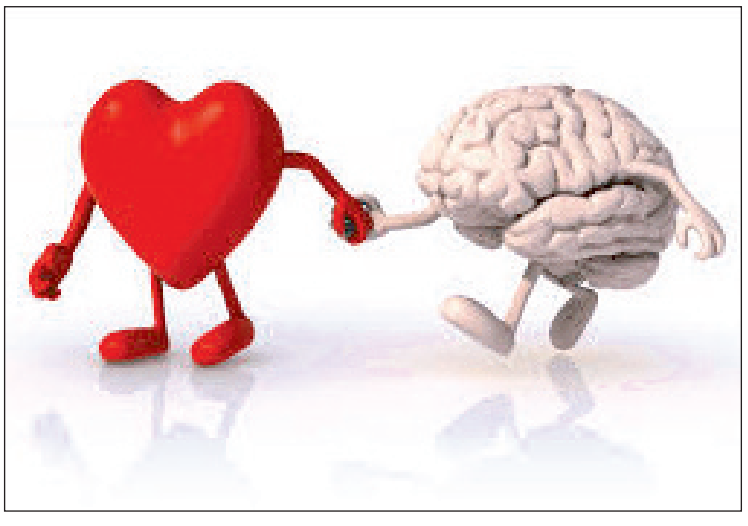

तक की रिसर्च में सामने आया पॉजिटिव खबरें बढ़ाती है संतुष्टि तनाव और चिंता को कम करती हैं

साउथम्पटन यूनिवर्सिटी की 2016 में की गई एक रिसर्च के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें और अच्छी जानकारियां हमारी मानसिकता में बदलाव लाती हैं। जब हम पॉजिटिव खबरें पढ़ते हैं तो शरीर में तनाव हार्मोन का स्तर कम हो जाता है। वाशिंगटन की गोंज़ागा यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, सकारात्मक खबरें साझा करने और पढ़ने से क्वालिटी ऑफ लाइफ भी सुधरती है। खासतौर पर जब आप परेशानी में हो या किसी आपदा के दौर से गुजर रहे हों तब सकारात्मक खबरें आपको जीने की नई उम्मीद देती हैं हार्ट को स्वस्थ बनाती हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2018 की एक रिसर्च के मुताबिक, लगातार पॉजिटिव खबरें पढ़ने से हार्ट स्वस्थ बनता है। ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है। इंसोमनिया यानी अनिद्रा की समस्या और मांसपेशियों के तनाव में भी यह फायदेमंद है। सकारात्मक खबरें तनाव भी कम करती हैं। ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी के रिसर्चर नथानिएल लैम्बर्ट ने 2012 में शोध में पाया कि जो लोग पॉजिटिव खबरें, स्टोरी और आर्टिकल शेयर करते हैं वे ज्यादा खुश रहते हैं। उनका नजरिया लगातार विकसित होता जाता है। सकारात्मक खबरें और अनुभव साझा करने से संतुष्टि चरम पर पहुंचने लगती है।

नॉलेज के लिए प्रेरित करती हैं एंगेज्ड न्यूज प्रोजेक्ट नाम से 2014 में किए गए एक शोध के मुताबिक, जब लोग समाचार पत्र के पेज पर एक पॉजिटिव खबर पढ़ते हैं तो उनके लंबे समय तक उसी पेज बने रहने की संभावना बढ़ती है। यानी पॉजिटिविटी पढ़ने वाले को सुकून देती है, उसे आकर्षित करती है।

केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़े : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली 18 मई : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बुराड़ी विधानसभा के अमृत विहार नथुवाला और कमल विहार वेस्ट में आयोजित जनसभा को संबोधित किया और उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा सांसद प्रत्याशी मनोज तिवारी के पक्ष में उपस्थित जनता से मतदान की अपील की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 10 वर्षों के कार्यकाल में देश में अनेकों ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि एक-एक कर देश के सभी मुद्दे हल हो गए। कश्मीर से 370 हट गई, तीन तलाक जैसा काला कानून खत्म हुआ। अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने संबोधन में कहा एक ही उदाहरण देखिए कि रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा था। हमारे बच्चे भी वहां फंसे हुए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक फोन रूस के राष्ट्रपति को किया और एक फोन यूक्रेन के राष्ट्रपति को कर कहा कि जब भारत के बच्चे हाथों में तिरंगा झंडा लेकर निकले तो युद्ध थम जाए और भारत के बच्चे सुरक्षित निकल आएं। मंत्री गणेश जोशी ने कहा केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। ईमानदारी की सौगंध खाने वाला सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी निकला। उन्होंने कहा दिल्लीवासियों के उत्साह तथा विश्वास से साफ है कि दिल्ली की जनता ने एक बार फिर नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानसेवक चुनकर विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने का मन बना लिया है।

इस अवसर पर महामंत्री भाजपा रामपुकार, संजीव चौरसिया, समाज सेवी आरसी बंसल, गुलाब सिंह राठौड़, राजीव गुप्ता, रतन जयसवाल, रेखा, अशोक गुप्ता, देवेंद्र, राकेश बंसल, मंडल अध्यक्ष किशनपाल, महामंत्री रामकुमार ठाकुर, रेखा रावत, जगमोहन बिष्ट, बबलू झा, राकेश शर्मा, हरीश शर्मा, उमेश गुप्ता, दिलीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

भारत में शादी में हेलीकॉप्टर बुक करने में कितना खर्च आता है, जानिये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : आज के समय में शादी को यादगार बनाने का जैसे कंपीटिशन सा चल पड़ा रहा है। हर कोई अपनी शादी को मेमोरेबल बनाना चाहता है। कोई शिव पार्वती के विवाहस्थल पर शादी कर इसे यादगार बनाना चाहता है तो किसी की चाह होती है कि वो गाड़ी या किसी अन्य वाहन की बजाय हेलीकॉप्टर में हवाई यात्रा के जरिये अपनी दुल्हन को घर लेकर आए। ऐसे में चलिये आपको बताते हैं कि अगर आप भी अपनी शादी को यादगार बनाना चाहते हैं तो भारत में हेलीकॉप्टर का खर्च कितना आता है और कैसे आप इसे बुक कर सकते हैं।

शादी में बुक करना चाहते हैं हेलीकॉप्टर? बीते समय में कई ऐसी शादियां हुई हैं, जहां लोग अपनी दुल्हन को हेलीकॉप्टर से लेकर गए। ये शादियां न सिर्फ रूरूख दिखाती हैं मगर आपके लिए एक याद भी बन जाती है। एक ऐसी याद, जो किसी और शादी से कई मायनों में अलग होती है। मगर कई बार लोगों को लगता है कि शादी के लिए हेलीकॉप्टर बुक करने में न जाने क्या और कितनी माथापच्ची करनी पड़ती होगी। अगर आप भी ऐसा ही सोच रहे हैं तो ये खबर आप ही के लिए है।

कितनी मुश्किल हेलीकॉप्टर की बुकिंग? हेलीकॉप्टर बुक करना कोई मुश्किल काम नहीं है। जिस तरह शादियों के लिए गाड़ियां या फिर बारातियों के लिए बस बुक की जाती है, ठीक उसी तरह आप भी शादी समारोह के समय अपनी दुल्हन के लिए हेलीकॉप्टर बुक कर सकते हैं। हां इतना जरूर है कि इसके लिए आपको एक तय समय ही दिया जाएगा। क

ैसे बुक करें हेलीकॉप्टर? कई तरह की ट्रैवल एजेंसियां अपनी वेबसाइट पर ये सुविधा आजकल उपलब्ध करवा रही हैं। आप इनकी साइट पर जाकर हेलीकॉप्टर की बुकिंग की जानकारी ले सकते हैं। आप आराम से यहां से हेलीकॉप्टर बुक करवा सकते हैं।

अगर आपको लगता है कि हेलीकॉप्टर में बहुत ज्यादा खर्चा आता है तो आप थोड़े बहुत गलत भी हो सकते हैं।

इन बातों पर निर्भर करता है चार्ज हेलीकॉप्टर की बुकिंग के लिए जो खर्चा आता है वो ट्रैवल की दूरी, समय और कई सारी बातों पर निर्भर करता है। अगर आपको पास के लिए ही बुक करवाना है तो जाहिर तौर पर खर्चा कम ही आएगा। मगर आपको अगर दूर कहीं के लिए बुकिंग करवानी है तो आपको इसके लिए थोड़ी जेब ढीली करनी पड़ सकती है।वैसे आमतौर पर हेलीकॉप्टर बुक करने का कम से कम खर्चा 50 हजार आता है। बाकी जैसा कि ऊपर बताया गया है, ये बातें कई चीजों पर निर्भर करती है।

जनता व पर्यटकों को न हो परेशानी इसके लिये उठाएं आवश्यक कदमः एसएसपी देवेन्द्र पींचा

अल्मोड़ा। जनपद के एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने शुक्रवार को पुलिस लाईन अल्मोड़ा के सभागार में जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों के साथ क्राईम मीटिंग आयोजित की व पुलिस कर्मचारियों का सम्मेलन लिया। बैठक में एसएसपी ने जनपद के समस्त थानों में दर्ज अपराधों, अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही एवं अपराधों के निस्तारण, लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की। सम्बंधित सर्किल सीओ व थाना प्रभारियों को लम्बित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। न्यायालय में अभियुक्तों को सजा दिलाने के लिए गुणवत्तापूर्ण विवेचना किये जाने हेतु उपस्थित विवेचकों का मार्गदर्शन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। लम्बित ऑनलाईन, ऑफलाईन शिकायतों का निस्तारण, लंबित माल मुकदमाती के निस्तारण, समन व नोटिस व वारंटों की शत प्रतिशत तामीली, नशे के विरुद्ध प्रचलित अभियान में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। भारत सरकार द्वारा अधिनियमित तीन नए कानूनों की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए। बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन हेतु लगातार वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने, यातायात व्यवस्था सुधारने, साइबर शिकायतों को गंभीरता से लेने, सीसीटीवी कैमरे लगाने व जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत गस्त एवं पिकेट लगाने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। एसएसपी ने फायर स्टेशन अल्मोड़ा, रानीखेत व समस्त थाना प्रभारियों को जंगलों की आग की घटना पर तत्काल संज्ञान लेकर आग बुझाने में वन विभाग को सहयोग करने व आग लगाने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। उपनिरीक्षक मदन मोहन जोशी, थानाध्यक्ष भतरौजखान को पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ चुना गया। एसएसपी द्वारा विगत माह अप्रैल में प्रभावी पुलिसिंग, मानवीय कार्य एवं गुड वर्क एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ सहित 10 अधिकारी, कार्मिकों की कार्यों की सराहना कर प्रशस्ति पत्र से सम्मानित करते हुए उत्साहवर्धन किया गया। सड़क दुर्घटना में घायलों को रेस्क्यू करने व उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाने में मदद करने वाले गुड सेमेरिटन को एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा पुरुस्कृत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस बल को चुस्त-दुरुस्त रखने को साथ में दौड़े एसएसपी पींचा

अल्मोड़ा। जनपद के एसएसपी देवेन्द्र पींचा द्वारा पुलिस लाइन अल्मोड़ा के परेड ग्राउंड में पुलिस बल में एकरुपता एवं अनुशासन लाने और पुलिस बल को शारीरिक व मानसिक रुप से चुस्त-दुरुस्त रखने के लिये शुक्रवार की परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम एसएसपी द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात पुलिस बल के साथ स्वयं भी दौड़ लगाकर अच्छी फिटनेस के लिये प्रेरित किया। परेड के दौरान दौड़, तेज चाल से मंच से गुजरना, ड्रिल, शस्त्राभ्यास, सैल्यूट, स्क्वाड ड्रिल आदि का अभ्यास कराया गया। रेड के पश्चात एसएसपी के द्वारा पुलिस लाईन के कार्यालयों का निरीक्षण किया गया और कर्मचारी मैस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता चैक की गई व मेस कमांडर को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान सीओ अल्मोड़ा विमल प्रसाद, सीओ संचार राजीव कुमार टम्टा व प्रतिसार निरीक्षक विजय विक्रम सहित जनपद के प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष व पुलिस कार्यालय शाखाओं, दूरसंचार, फायर स्टेशन प्रभारी व अन्य अधिकारी कर्मचारी गण मौजूद रहे।

वनाग्नि बुझाने गए युवक की जलने से मौत

अल्मोड़ा। सोमेश्वर क्षेत्र में जंगल की आग बुझा रहे एक युवक की आग में झुलसने से मौत हो गई। गुरुवार शाम अन्य ग्रामीणों के साथ जंगल में लगी आग को बुझाने गया युवक आग में घिर गया। स्वयं को बचाने का उसने भरसक प्रयास किया, लेकिन आग से बाहर नहीं निकल पाया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उसका शव लगभग 70 प्रतिशत बुरी तरह जली हालत में मिला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमेश्वर के खाईकट्टा में जंगल की आग में जलने से युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक गत बृहस्पतिवार शाम खाईकट्टा के पास जंगल में आग लग गई। गांव के ही लोग देर रात तक आग बुझाने में जुटे रहे। इसी बीच गांव का युवक महेंद्र सिंह (40 साल) आग की चपेट में आ गया। बुरी तरह जलने से उसकी मौत हो गई। उसका आधा शरीर जलकर खाक हो गया। सूचना के बाद शुक्रवार को वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। रेंजर मनोज लोहनी ने कहा कि नाप भूमि पर आग लगी थी। आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। वहीं बीते दिनों सोमेश्वर क्षेत्र में लीसा दोहन में लगे दो महिला, दो पुरुष सहित चार श्रमिकों की जंगल की आग की चपेट में आने से मौत हो चुकी है।

बसौली-नाई ढौल मोटर मार्ग का 14 साल बाद भी नहीं मिल पाया मुआवजा

अल्मोड़ा। सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई भूमि का मुआवजा 14 साल बाद भी ग्रामीणों को नहीं मिल पाया है, जबकि साल 2014 में ही उक्त मोटर मार्ग का काम पूर्ण हो चुका है। पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित बसौली-नाई ढौल मोटर मार्ग तथा मनान-क्लेथ-नाई ढौल मोटर मार्ग में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा 14 साल बाद भी नहीं मिला है। जिसको लेकर ढौल में संसाधन पंचायत व वन पंचायत की संयुक्त बैठक हुई। इस दौरान मोटर मार्ग हेतु अधिग्रहित की गयी भूमि का 14 वर्ष बाद भी मुआवजा न मिलने पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए मुआवजा भुगतान यथाशीघ्र करने की मांग की गई। वन पंचायत द्वारा बनाए गये उप नियमों की समीक्षा करने के साथ ही उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बसौली नाई-ढौल पोखरी मोटर मार्ग वर्ष 2005 में स्वीकृत हुआ था। 2010 में इस मोटर में कार्य प्रारंभ हुआ और 2014 में मोटर मार्ग निर्माण कार्य भी पूर्ण हो गया, लेकिन मोटर मार्ग हेतु अधिग्रहित की गई भूमि का 14 वर्ष बाद भी मुआवजा भुगतान नहीं किया गया है। यही स्थिति मनान-क्लेथ-नाई ढौल मोटर मार्ग की है। उन्होंने कहा कि इन मोटर मार्गों के निर्माण में बड़ी मात्रा में ग्रामीणों की भूमि उपयोग में लाई गई है, लेकिन आज तक मुआवजा नहीं दिया गया। मोटर मार्ग निर्माण में निकले मलबे से काश्तकारों के कई खेत, सिंचाई गूल, सिंचाई टैंक और रास्ते क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उनके पुनर्निर्माण की मांग की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही इन मामलों को लेकर एक शिष्टमंडल संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन से मुलाकात करेगा। मांगों पर कार्रवाई न होने पर ग्रामीण आंदोलनात्मक कार्रवाई करने को बाध्य होंगे। इस अवसर पर संसाधन पंचायत की सचिव हेमा भंडारी, रेवती भंडारी, पिंकी नयाल, सरपंच पूरन सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य हेमा भंडारी, दीप्ति भोजक, ठाकुर सिंह, मोहन सिंह, नरेन्द्र सिह, ईश्वर जोशी. देवेन्द्र सिंह, बचे सिंह सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

लाइट में सोने से बढ़ती है दिल की बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 मई : सोने के कई तरीके होते हैं। जहां कुछ लोग पूरे अंधेरे में सोना पसंद करते हैं, वहीं कुछ थोड़ी रोशनी के साथ सोते हैं। हाल ही में अमेरिका में हुई एक नई रिसर्च के मुताबिक, लाइट में सोना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक होता है नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा की गई एक स्टडी में पाया गया कि थोड़ी सी भी लाइट आंखों में घुसकर आपका हार्ट रेट और ब्लड शुगर लेवल बढ़ा सकती है। यानी इससे दिल की बीमारी और टाइप-2 डायबिटीज हो सकती है।

लाइट में सोने से दिल को खतरा, हो सकती है डायबिटीजदिन में हमारा हार्ट रेट ज्यादा होता है और रात में आमतौर पर कम हो जाता है। मगर रिसर्च में शामिल लोग जब लाइट में सोए तो रात में भी उनका हार्ट रेट ज्यादा पाया गया। इससे भविष्य में जल्दी मौत होने का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि रात में हमारा दिमाग शरीर को रिपेयर करने में लगा रहता है इसलिए हार्ट रेट कम हो जाता है। रिसर्च में सुबह उठकर लोगों में हाई ब्लड शुगर लेवल भी पाया गया। लॉन्ग टर्म में यह टाइप-2 डायबिटीज का कारण बन सकता है

लाइट के इस्तेमाल से मोटापे का रिश्ता इससे पहले हुई एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कहा था कि रात में सोते समय आर्टिफिशियल लाइट का इस्तेमाल आपको मोटा कर सकता है। इससे वजन बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है।सोते समय लाइट कम करने की टिप्स नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी ने रिसर्च में सोने के दौरान लाइट कम करने के कुछ तरीके बताए हैं। रात में लाइट बल्ब जलाकर न सोएं। यदि आपको लाइट की जरूरत है ही तो जमीन के पास कम से कम लाइट रखें। लाइट के रंग पर ध्यान दें। रेड, ऑरेंज कलर की लाइट आंखों को ज्यादा प्रभावित नहीं करती। वहीं व्हाइट और ब्लू लाइट को हमेशा सोते हुए इंसान से दूर रखना चाहिए। यदि आप बाहरी लाइट कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं तो आई मास्क का इस्तेमाल करें अपने बिस्तर को लाइट से दूर रखें।

संपादकीय

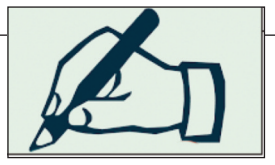

सीएम आवास में हिंसा

यह मुख्यमंत्री आवास है या मारपीट, गुंडई का कोई अड्डा..! कुछ अंतराल पहले, मुख्यमंत्री आवास में ही, तत्कालीन मुख्य सचिव के साथ हाथापाई की गई थी। खबरें तो मारपीट की भी आई थीं। मामला अदालत तक पहुंचा। अंततः क्या हुआ, कोई जानकारी नहीं। समय गुजरा, तो उस घटना पर धूल की परतें जम गईं। आखिर आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर और मुख्यमंत्री केजरीवाल के जीवन में क्या घट रहा है कि हालात सुलगते महसूस होते हैं। कोई विधायक अपनी पत्नी पर ही कुत्ता छोड़ देता है! कोई मंत्री राशन कार्ड बनवाने आई महिला के साथ बलात्कार करता है! शराब घोटाले में तो खुद केजरीवाल संलिप्त बताए गए हैं। 'आप' एक बड़े खोल में बेहद विस्फोटक पार्टी लगती है। ताजातरीन मामला पार्टी की ही राज्यसभा सांसद तथा 9 साल तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं स्वाति मालीवाल का है, जिनकी मुख्यमंत्री आवास में ही, पिटाई की गई। जाहिर है कि एक महिला के साथ बदसलूकी की गई, हिंसक व्यवहार भी किया गया, लिहाजा यह आपराधिक हरकत से कम नहीं है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 4 घंटे से अधिक समय तक संवाद करने के दौरान स्वाति मालीवाल ने खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री के निजी स्टाफ ने उन्हें 5-6 थप्पड़ मारे। शरीर के निचले हिस्से पर लात मारी, छाती और पेट पर मुक्के मारे गए। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उस दौरान घर के भीतर ही मौजूद थे। यदि मुख्यमंत्री आवास में महिला सांसद पर ऐसा हिंसक आक्रमण किया गया है, तो वह सिर्फ निजी सहायक की औकात नहीं हो सकती। क्या स्वाति पर हमला जानबूझ कर कराया गया? क्या मुख्यमंत्री अपने ही सांसद से मुलाकात नहीं करना चाहते थे? क्या केजरीवाल चाहते हैं कि स्वाति सांसदी छोड़ दें, ताकि अभिषेक मनु सिंघवी को सांसदी देकर 'उपकृत' किया जा सके? यदि मुद्दा यही है, तो स्वाति पर हिंसक व्यवहार करने की जरूरत क्या थी? सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय पक्ष यह है कि जिस महिला साथी की मुख्यमंत्री के घर के भीतर तक पहुंच रही है, एनजीओ 'परिवर्तन' के दौर से साथ-साथ काम करते रहे हों और जनवरी, 2024 में ही जिसे राज्यसभा सांसद चुना गया हो, ऐसे साथी पर ऐसा हिंसक आक्रमण करना वाकई हैरान करता है, चौंकाता भी है। स्वाति मालीवाल के बयानों और अढाई पन्नों की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। धाराओं 354, 506, 509 और 323 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्वाति का एम्स दिल्ली में मेडिकल भी कराया है। उधर राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार को तलब किया है। खुद 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इसे विभव कुमार की 'बदसलूकी' करार दिया है। क्या पुलिस विभव को गिरफ्तार करेगी? सवाल यह है कि मुख्यमंत्री आवास में ही ऐसी हिंसक गुंडई क्यों की गई? ऐसी नौबत ही क्यों आई? दरअसल स्वाति मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने उनके सरकारी आवास गई थीं। जेल से बाहर आने के बाद वह मिल नहीं सकी थी। मुख्यमंत्री आवास के गेट पर सुरक्षा व्यवस्था ने उन्हें रोका था, क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात का अधिकृत समय तय नहीं था। फिर भी स्वाति घर के अंदर चली गई और ड्राइंग रूम में जाकर बैठ गई। यह सोमवार 13 मई की बात है। उसके 81 घंटों तक स्वाति खामोश रही। '112' नंबर पर फोन करके उन्होंने हिंसक हमले की जानकारी पुलिस को दी थी, लेकिन उसके बाद सभी पक्ष सोचते ही रहे।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

अज्ञात वाहन ने एक को कुचला, मौत

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में हाईवे पर वाहन से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई। आरोपी चालक वाहन लेकर फरार हो गया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।दुर्घटना हाईवे पर हरिलोक तिराहे के पास घटित हुई। देर रात पुलिस को सूचना मिली की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई है। सूचना मिलने पर चेतक सवार पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। पुलिसकर्मियों ने करीब 35 वर्षीय युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कोतवाली प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। बताया कि किसी भारी वाहन ने व्यक्ति को कुचला है। वाहन चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की जा रही है।

थाने में फौजी संग पत्नी और अन्य ने की गाली गलौच, मुकदमा दर्ज

देहरादून। सर्विस से जुड़े दस्तावेजों पर पत्नी के हस्ताक्षर कराने गढ़ी थाने पहुंचे फौजी के साथ मारपीट की गई। फौजी ने आरोप अपनी पत्नी और मकान मालिक परिवार पर लगाया है। घटना बीते दो अप्रैल की है। जिसमें 16 मई को गढ़ी कैंट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कैंट गिरीश चंद शर्मा ने बताया कि नायक नरेंद्र सिंह मूल निवासी गजी घाट, चमोली आठवीं बटालियन गढ़वाल राइफल्स देहरादून में तैनात हैं। उनकी पत्नी गढ़ी कैंट क्षेत्र में किराये पर रहती है। फौजी का पत्नी से पारिवारिक विवाद चल रहा है। हाल में फौजी सेना से रिटायरमेंट लेने की तैयारी कर रहे हैं।

इसके लिए कुछ दस्तावेजों पर पत्नी के हस्ताक्षर चाहिए थे। उन्होंने बीते दो अप्रैल को पत्नी को अपने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने गढ़ी कैंट थाने बुलाया। फौजी की पत्नी अपने मकान मालिक नीतू बिष्ट, समीर बिष्ट और अर्चना बिष्ट को लेकर पहुंची। आरोप है कि थाने में फौजी की पत्नी और मकान मालिक परिवार ने गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फौजी की पत्नी और मकान मालिक परिवार के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

जज बनीं अनूभूति गोयल का महिलाओं ने किया स्वागत

हरिद्वार। श्री वैश्य बंधु समाज मध्य क्षेत्र की महिला विंग ने शुक्रवार को पीसीएस जे परीक्षा पास कर जज बनी अनुभूति गोयल का स्वागत किया।विंग की संस्थापक शशि अग्रवाल ने कहा कि अनुभूति गोयल की सफलता से पूरे वैश्य समाज का मान बढ़ा है। अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल और महामंत्री शालिनी अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज के युवा शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, प्रशासनिक सेवा, न्यायिक सेवा सभी क्षेत्रों में उच्च मुकाम हासिल कर देश की प्रगति में योगदान कर रहे हैं। इस दौरान अंजना गुप्ता, संध्या गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, रीतु तायल, सीमा अग्रवाल, विनती जैन, पूजा, बबीता, नीति मेहता, रागनी गुप्ता, एकता सूरी मौजूद रहीं।

पानी की निकासी को लेकर भिड़े दो पक्ष

हरिद्वार। कनखल के जियापोता गांव में पानी की निकासी को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों ने शुक्रवार को एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जियापोता निवासी लक्ष्मीचंद के छोटे भाई भरत सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 16 तारीख को उनके भाई घर के बाहर नाले की सफाई कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोसी बाबूराम, उसका बेटा अमन, मनीष उर्फ मिन्टू, कल्लू उर्फ पल्ली, शुभम, बहू टीना धारदार हथियार लेकर आ धमके। उन्होंने उसे और बड़े भाई के साथ मारपीट कर गाली गलौज शुरू कर दी। बीच बचाव में आई उसकी पत्नी सुमन को भी नहीं बख्शा। आरोप लगाया कि उसका गला दबाकर मारने का प्रयास किया लेकिन वह बच गई। आरोप है कि रंजिश के चलते उनके परिवार पर हमला किया गया और आरोपी हत्या की धमकी देकर चले गए। दूसरी ओर बाबूराम ने मुकदमा दर्ज कराया कि पड़ोसी सोनू ने गली में रास्ता ऊंचा कर लिया था। इस वजह से उसके बेटे के घर का पानी बाहर नहीं पा रहा है। आरोप है कि उसकी मां रमेशो, पत्नी टीना, भाई मनीष के साथ लक्ष्मीचन्द, अनित, राहुल, नेहा, सोनू, सुमन, भरत सिंह, गुड़िया ने मारपीट कर दी। जगजीतपुर चौकी प्रभारी चरण सिंह चौहान ने बताया कि क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

छात्र यश दिव्यांशु आचार्यकुलम की विश्वस्तरीय मेधा शक्ति का प्रमाण: रामदेव

हरिद्वार। योगगुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि योगपीठ आचार्यकुलम से वाणिज्य वर्ग से 12 वीं की बोर्ड परीक्षा पास करने वाला छात्र यश दिव्यांशु विश्वस्तरीय मेधा शक्ति का प्रमाण है। दिव्यांशु आगे की पढ़ाई के दौरान जिन देशों में जाएगा। वहां आचार्यकुलम का यश बढ़ता जाएगा।यह बातें योगगुरु ने छात्र यश के टीईटीआर कॉलेज ऑफ बिजनेस में प्रवेश मिलने पर बधाई देते हुए कहीं। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने शुक्रवार को प्रेस को जानकारी दी कि आचार्यकुलम का हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षा फल सौ फीसदी रहा है। उपाध्यक्ष डॉ. ऋतंभरा शास्त्री के पुत्र और आचार्यकुलम के छात्र दिव्यांशु यश ने टेटर कॉलेज ऑफ बिजनेस में सौ फीसदी छात्रवृत्ति के साथ अपना प्रवेश सुनिश्चित कर आचार्यकुलम को गौरव प्रदान किया है। बैचलर ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी कोर्स बिजनेस और टेक्नोलॉजी दोनों विषयों का मिश्रण है। टेटर कॉलेज ऑफ बिजनेस पूरे विश्व में अपनी तरह का इकलौता कॉलेज है। जिसमें बिजनेस की पढ़ाई के लिए अमेरिका, इटली, सिंगापुर, घाना, ब्राजील, दुबई और भारत के छात्र जाएंगे। इस मौके पर प्राचार्या आराधना कौल, स्वामी अर्जुनदेव, स्वामी असंगदेव, उपप्राचार्य तापस कुमार बेरा आदि मौजूद रहे।

बाबा विश्वनाथ मां जगदीशीला डोली का हरिद्वार में स्वागत

हरिद्वार। टिहरी गढ़वाल से आई बाबा विश्वनाथ मां जगदीशीला डोली का शुक्रवार को हरकी पैड़ी पर गंगा स्नान कराकर पूजन किया गया। इसके साथ ही देव डोलियों के गंगा स्नान के साथ डोली यात्रा का रजत जयंती समारोह शुरू हुआ। मुख्य अतिथि हंस फाउंडेशन की अध्यक्ष मंगला माता और भोले महाराज ने बाबा विश्वनाथ और मां जगदीशीला डोली का पूजन कर यात्रा को शहर भ्रमण के लिए रवाना किया। इसके बाद यात्रा उत्तराखंड के लिए रवाना हुई। इस मौके पर मंगला माता ने कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां जगदीशीला डोली यात्रा के माध्यम से उत्तराखंड के देवालयों, तीर्थ स्थलों को नई पहचान मिली है और उत्तराखंड में तीर्थाटन को बढ़ावा मिला है।

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय ने बीएड की 50 सीटों पर 27 मई तक मांगे आवेदन

हरिद्वार। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीएड की 50 सीटों पर अंतिम तिथि 27 मई तक छात्र-छात्राओं से आवेदन मांगे हैं। बीएड में छात्र-छात्राओं को प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाएगा। प्रवेश परीक्षा दो जून को होगी।शिक्षा शास्त्री विभाग के एचओडी डॉ. अरविंद नारायण मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीएड की 50 सीटों पर अंतिम तिथि 27 मई तक आवेदन मांगे हैं। इस बारे में विवि की वेबसाइट पर आवेदन पत्र अपलोड कर दिया गया है। बीएड में छात्र-छात्राओं को प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाएगा। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में परिसर में दो जून को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

कर्मठ कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी के रूप में मिलेगा निकाय चुनाव में मौका: शीशपाल सिंह

हरिद्वार। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष शीशपाल सिंह ने शुक्रवार को कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में ईमानदार, कर्मठ कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी के रूप में मौका दिया जाएगा। भूरे शाह मजार मार्ग के पास आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के निराकरण में भी कार्यकर्ता अपना सहयोग प्रदान करें। बसपा ही सभी वर्गों के विकास में अपना योगदान दे सकती है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूरजमल ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को अपनाकर समाज उत्थान में अपना योगदान दें।

आढ़ती को ट्रांसपोर्टर ने दी हत्या की धमकी

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र के आढ़ती ने कुरुक्षेत्र के एक ट्रांसपोर्टर पर हत्या की धमकी देने का आरोप लगाकर शुक्रवार को कोतवाली ज्वालापुर में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घासमंडी में घी-तेल के थोक कारोबारी गौरव झाम्ब ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी फर्म से मदन लाल एंड संस निवासी नाहन हिमाचल प्रदेश को करीब बीस लाख का माल भेजा जाना था। माल ले जाने के लिए सेफ एंड क्वीक लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट का ट्रक यहां पहुंचा था। गोदाम से माल ट्रक में लोड भी करा दिया गया था लेकिन माल की रकम बैंक खाते में ट्रांसफर नहीं होने पर उसने माल नहीं भेजा।

चारधाम यात्रा : मोर्चे पर मुखिया, सुधरने लगे हालत

सीएम धामी के निर्देशों का असर, बैठक को 24 घंटे बीतने से पहले सुधरने लगे हालात

- इस बार कपाट खुलने के पहले ही दिन लगभग दोगुनी संख्या में आए श्रद्धालु
- उत्तरकाशी के बड़कोट में ग्राउंड जीरो पर पहुँचे सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 18 मई : चारधाम यात्रा के शुरुआती चरण में उमड़ रही अप्रत्याशित भीड़ के बावजूद राज्य की धामी सरकार पूरी मुस्तैदी के साथ हर चुनौती से पार पाने के लिए अग्रिम मोर्चे पर डटी है। मुख्यमंत्री धामी, बीते रोज चुनावी दौरे को लेकर हरियाणा में थे लेकिन वे बगैर देर किए एकाएक इस दौरे को बीच में छोड़ देहरादून स्थित सचिवालय पहुँचे और उच्चाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इसका नतीजा यह रहा कि 24 घंटे बीतने से पहले ही अब यात्रा सुगम व सुचारू रूप से चल रही है। टीम धामी के कई आला अधिकारी पहले से चारधाम यात्रा मार्गों पर डटे हुए हैं। इस बीच, शुक्रवार सुबह उन्होंने फिर सचिवालय में अपने अधिकारियों के साथ बैठक की और सीधा ग्राउंड जीरो पर जायजा लेने के लिए बड़कोट रवाना हो गए।

चार धामों के 10 मई व 12 मई को कपाट खुलने के बाद से इस बार यात्रियों की संख्या नया रिकॉर्ड बना रही है। दूसरी तरफ, यात्रियों की सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा हेतु धामी सरकार संकल्पबद्ध है। गौरतलब है कि गत वर्ष जब कपाट यमुनोत्री धाम के कपाट खुले थे तो कुल 6,838 श्रद्धालु आए थे जबकि इस वर्ष कपाट खुलने वाले दिन 12,193 यात्री आये। यानी दोगुना संख्या में श्रद्धालु पहुँचे। इसी तरह केदारनाथ धाम में गत वर्ष कपाट खुलने पर 18,335 तो इस वर्ष लगभग 75 प्रतिशत ज्यादा लगभग 29 हजार श्रद्धालु मौजूद रहे। कुल मिलाकर अनुमान से कहीं ज्यादा श्रद्धालु चार धाम में पहुंच रहे हैं, जिस कारण शुरुआती दिनों में कुछ परेशानियां हुई, लेकिन इन्हें भी दूर करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी के निर्देशों पर पहले ही उनके सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम से लेकर अन्य अधिकारियों को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग जिलों में तैनात किया गया है। इसका नतीजा यह हुआ कि स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर चीजों को व्यवस्थित करने में मदद मिली।

इधर, वीरवार को सीएम धामी हरियाणा में चुनावी दौरे पर थे लेकिन हालातों की नाजुकता को भांपते हुए धामी दोपहर में ही देहरादून पहुँच गए और यहां उच्च स्तरीय बैठक ली। सीएम ने बैठक में स्पष्ट कहा कि बगैर पंजीकरण के आ रहे यात्रियों को लौटाया जाए, परिवहन विभाग इसकी जगह जगह चेकिंग करे। धामों की क्षमता के लिहाज से ही यात्रियों को भेजा जाए और जहां उन्हें होल्ड करने की आवश्यकता पड़ रही है वहां उन्हें मूलभूत सुविधाएं जैसे भोजन, पानी, पार्किंग इत्यादि प्रदान की जाए। सीएम धामी द्वारा ली गयी इस बैठक का असर यह हुआ कि 24 घंटे बीतने से पहले ही तमाम स्थानों पर अब यात्रा काफी हद तक सुचारू रूप से संचालित हो रही है। यहाँ तक कि बड़ी संख्या में पहुंच रहे यू ट्यूबर को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किए गए कि धामों के 50 मीटर के दायरे में रील बनान प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, आज सुबह फिर सीएम धामी सचिवालय पहुँचे और बगैर देर किए उन्होंने अफसरों के साथ सारे हालातों की समीक्षा की और जरूरी निर्देश देने के साथ ही खुद भी ग्राउंड जीरो का हाल देखने के लिए बड़कोट रवाना हो गए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस बार अप्रत्याशित भीड़ जरूर धामों में उमड़ रही है लेकिन टीम एफर्ट के जरिये यात्रा को व्यवस्थित कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है और इसमें स्थानीय निवासियों, प्रशासन के सहयोग से व्यवस्थाओं को सुचारू किया जा रहा है।

राज विहार में आग से मकान में सामान जला

देहरादून। चकराता रोड, राज विहार कॉलोनी में एक मकान में शुक्रवार सुबह आग लग गई। सूचना पर वसंत विहार थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने का प्राथमिक कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।दुबई में रहने वाले सचिन गुप्ता का वर्षों पुराना मकान चकराता रोड एफआरआई परिसर के सामने स्थित राज विहार कॉलोनी में है। उन्होंने मकान की देखभाल की जिम्मेदारी अपने रिश्तेदार सचिन गर्ग निवासी सीमाद्वार को दी हुई है। सचिन गर्ग ने अपनी दुकान में काम करने वाले लड़के के परिवार को केयर टेकर के तौर पर मकान के एक हिस्से में बने सर्वेंट क्वार्टर में रखा हुआ है। सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले परिवार ने शुक्रवार सुबह करीब पौने दस बजे मकान के एक हिस्से धुआं निकालता देखा। सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। अग्निशमन विभाग की टीम ने दो फायर टेंडर से पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। आग से मकान के ड्राइंग एरिया में रखा फर्नीचर, फ्रीज, वाशिंग मशीन, गद्दे, कपड़े आदि सामान जल गया। एसओ वसंत विहार उनियाल ने बताया कि आग लगने के कारणों पर जांच की जा रही है।

जंगल में आग लगाते एक पकड़ा, दूसरा फरार

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग के रिवर रेंज के कंपार्टमेंट-9 में आग लगा रहे यूटिलिटी चालक को गुरुवार को वन विभाग की टीम ने मौके पर पकड़ लिया। यूटिलिटी चालक के साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति फरार हो गया, जिसे वन विभाग की टीम तलाश कर रही है। रेंज अधिकारी अनिल भट्ट ने बताया कि गुरुवार शाम को कालसी बैराटखाई मोटर मार्ग पर कंपार्टमेंट-9 में वन विभाग की टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान दो व्यक्ति जंगल में आग लगा रहे थे। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने आग लगा रहे व्यक्तियों में से एक को पकड़ लिया। जिसकी पहचान यूटिलिटी चालक रमेश तोमर पुत्र आनंद सिंह, निवासी ग्राम बिजऊ तहसील कालसी के रूप में हुई। जबकि एक अन्य जवाहर सिंह पुत्र भगत सिंह निवासी बीजऊ मौके से फरार होने में कामयाब रहा। बताया कि पकड़े गए व्यक्ति को वन विभाग में थाना कालसी को सौंप दिया है।

जिज्ञासा का दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल कैंप के लिए चयन

विकासनगर। डुमेट निवासी जिज्ञासा तोमर का चयन दुबई में दुबई स्पोर्ट्स काउंसलिंग की ओर से आयोजित कैंप के लिए हुआ है। इस कैंप में क्रिकेट जगत के कई दिग्गज पूर्व खिलाड़ी विश्वभर से चयनित प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों की तकनीक को और बेहतर बनाने पर काम करेंगे। कैंप में युवराज सिंह, लाल सिंह राजपूत जैसे कई दिग्गज मौजूद रहेंगे। दुबई में चल रहा यह क्रिकेट कैंप 15 मई से शुरू हो चुका है। जिज्ञासा तोमर मूल रूप से जौनसार के कुईथा गांव निवासी हैं और वर्तमान में डुमेट में रहती हैं। रेनबो चिल्ड्रेनस अकादमी में अपने क्रिकेट की शुरुआत कर जिज्ञासा बीसीसीआई की ओर से आयोजित कई प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुकी हैं। 12वीं पास करने के बाद वर्तमान में जिज्ञासा देहरादून स्थिति श्री स्टंप्स क्रिकेट अकादमी में प्रैक्टिस करती हैं।

चरस तस्करी में कार चालक गिरफ्तार

विकासनगर। महंगी कार से चरस की तस्करी कर रहे एक तस्कर को सहसपुर पुलिस ने गुरुवार देर रात जस्सोवाला पुल के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार की डैसबोर्ड से 905 ग्राम चरस बरामद की है। पुलिस ने कार को सीज कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। सहसपुर थाना प्रभारी मुकेश त्यागी ने बताया कि ड्रग्स फ्री देवभूमि बनाने के तहत नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

बैडमिंटन में विभागों की 45 टीमें दिखाएंगी दम

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय बैडमिंटन क्लब की ओर से नौवीं राज्य स्तरीय अंतर विभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार से परेड ग्राउंड स्थित मल्टीपरपज हॉल में किया जाएगा। शुक्रवार को ऑफिसर्स ट्रांजिट हॉस्टल रेसकोर्स में हुई पत्रकार वार्ता में क्लब के महासचिव प्रमोद कुमार ने यह जानकारी दी।कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की 45 टीमें और करीब 300 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। नॉकआउट आधार पर होने वाली प्रतियोगिता में टीम इवेंट, ओपन पुरुष एकल, युगल, महिला एकल-युगल के मुकाबले खेले जाएंगे। टीम इवेंट, एकल और युगल के मुकाबले बेस्ट ऑफ थ्री के आधार पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में पहली बार महिला एकल-युगल मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख सचिव शहरी विकास आरके सुधांशु और विशिष्ट अतिथि के रूप में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगौली करेंगे। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष पन्ना लाल शुक्ल, संयोजक एसएस सजवाण, उपाध्यक्ष महावीर सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष एनएस डुंगरियाल, संयुक्त सचिव संजय जोशी, जेपी मैखुरी, पुष्कर सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

मसूरी पुलिस ने फरारवारंटी को गिरफ्तार किया

देहरादून। मसूरी पुलिस ने फरार चल रहे वारंटी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने न्यायालय में लंबे समय से पेश नहीं हो रहे वारंटी को सालवान रिजार्ट ग्राम बडासी रायपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी विजेंद्र सिंह 42 वर्ष पुत्र पृथ्वी सिंह ग्राम बडारी रायपुर का निवासी है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक बुद्धि प्रकाश, कांस्टेबल पवन, जन्मेजय थे।

संक्षिप्त खबरें

तिब्तन वूमेंस एसोसिएशन ने 11वें पंचेन की रिहाई की मांग

देहरादून। तिब्तन वूमेंस एसोसिएशन ने 11वें पंचेन लामा के जबरन गायब होने के 29 साल पूरे उन्हें पर उनको याद किया। एसोसिएशन ने शुक्रवार को प्रेस क्लब में उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित कर उनकी रिहाई की मांग की। इसके साथ ही कैंडिल मार्च भी निकाला गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि 17 मई 1995 को चीनी सरकार ने 11वें पंचेन जामा, तेनजिन गुंडेन येशी थिनल फुंटसोक, जिन्हें गुंडेन चोएक्यी न्यिमा के नाम से जाना जाता था और उनके परिवार, ताशी ल्हुनपो मठ के पूर्व मठाधीश और जंगपा चुंगला खोज समिति के प्रमुख चाड्रेल रिनपोछे को जबरन गायब कर दिया था, तब से तिब्बती महिला संघ ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से गुंडेन चोएक्यी न्यिमा के जबरन अपहरण की याद दिलाता है। कहा कि 14वें दलाई जामा की ओर से उन्हें पंचेन की लामा के रूप में मान्यता दिए जाने के तीन बाद चीनी अधिकारियों ने अपहरण कर लिया था, उस समय वह छह साल के थे। कहा कि चीन ने बौद्ध धर्म की निंदा, अपमान और अवहेलना की है, धर्म किसी कार्य या प्रदर्शन से नहीं आता, हमें धर्म और धार्मिक होने का सही अर्थ जानने के लिए अपने भीतर प्रकट करना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि दशकों से चीन तिब्बतियों के खिलाफ अमानवीय अत्याचार कर रहा है। कहा कि तिब्बत की पहचान मिटाने के चीन के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पंडित अभय रुस्तम की संतूर प्रस्तुति ने मोहा मन

देहरादून। स्पिक मैके की ओर से शुक्रवार को आर्यन स्कूल में प्रसिद्ध पंडित अभय रुस्तम सोपोरी ने संतूर का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्कूल में संगीत और शिक्षा के मिश्रण ने छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पंडित सोपोरी के साथ तबले पर चंचल सिंह और पखावज पर ऋषि शंकर उपाध्याय ने संगत की। इस अवसर पर पंडित सोपोरी ने अपनी तकनीकों को दर्शाते हुए छात्रों को संगीत के इतिहास और लोकाचार के बारे में बताया और वाद्ययंत्रों के बारे में चर्चा भी करी। प्रस्तुति के दौरान पंडित सोपोरी ने छात्रों के साथ संतूर के बारे में रोचक जानकारी साझा करते हुए कहा कि संतूर ईरान से नहीं आया है। यह एक स्वदेशी कश्मीरी वाद्य है, और इसे शत तंत्री वीणा के रूप में भी जाना जाता है। तारों को बजाने वाली लकड़ी की पट्टियों को कलम कहा जाता है। इस मौके पर आर्यन स्कूल के प्रिंसिपल बी. दासगुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

बैडमिंटन में उत्तराखंड ने जीते चार पदक

देहरादून। गोवा में 10 से 17 जून तक आयोजित योनेक्स सनराइज आल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट में उत्तराखंड ने दो गोल्ड, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता।उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन संघ के सचिव बीएस मनकोटी ने बताया कि अंडर-17 आयु वर्ग में पिथौरागढ़ की एंजल पुनेठा और देहरादून की आन्या बिष्ट की जोड़ी को गर्ल्स डबल्स, जबकि पिथौरागढ़ के निष्चल चंद और देहरादून के सूर्यांश रावत की जोड़ी ने ब्वाइज डबल्स में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, सूर्यांश रावत को सिंगल्स में रजत और निष्चल चंद को सिंगल्स में कांस्य पदक मिला। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन संघ की अध्यक्ष डा. अलकनंदा अशोक, कोषाध्यक्ष राम अवतार, उत्तराखण्ड बैडमिंटन के चीफ कोच डीके सेन, जीएस बुदियाल, कोच लोकेश नेगी, बलजीत सिंह, दीपांक वर्मा, भूपेश बिष्ट ने बधाई दी।